एजुकेशन एमएचआरडी के निर्देश पर सीएसवीटीयू प्रबंधन कॉलेजों को पत्र जारी कर इसे पाठ्यक्रम में जगह देने की कर अपील

मुंबई आईआईटी टीम करियर बनाने करेगी हेल्प

एजुकेशन रिपोर्टर|दुर्ग

आईआईटी मुंबई के स्पोकन ट्यूटोरियल से टेक्निकल स्टूडेंट्स को लाभांवित करने मानव संसाधन मंत्रालय लगातार प्रोत्साहित कर रहा है। इसके बावजूद सीएसवीटीयू प्रबंधन इसे अपने कॉलेजों में पूर्ण रूप से लागू करने दबाव नहीं बना पा रहा है। सीएसवीटीयू प्रबंधन बार-बार कॉलेजों को पत्र जारी कर स्पोकन ट्यूटोरियल को पाठ्यक्रम में जगह देने अपील कर रहा है।

लेकिन प्रबंधन इस निशुल्क सुविधा को अपने विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय बनाने में रुची नहीं दिखा रहा। जबकि जहां भी इस कोर्स को लागू किया गया, वहां के विद्यार्थियों के करियर में यह सहायक सिद्ध हुआ है। उल्लेखनीय है कि आईआईटी मुंबई द्वारा विभिन्न साफ्टवेयर पर आधारित ऑडियो विजुअल ट्यूटोरियल तैयार किया गया है। इसे तीन साल पहले सर्वप्रथम बीआईटी दुर्ग में लागू किया गया था। बीआईटी के प्रयास से इसे सीएसवीटीयू प्रबंधन ने अपने सभी कॉलेजों में शामिल करवाने की योजना बनाई थी। सीएसवीटीयू प्रबंधन लगातार प्रयास कर रहा है।

साफ्टवेयर सीखाए जाते हैं जो कोर्स में नहीं

स्पोकन ट्यूटोरियल अलग-अलग ब्रांच के लिए अलग अलग पैकेज रखा गया है। इसमें सीएसई, आईटी, मेकेनिकल, ईटीसी, ईईई, ईई, सिविल व एमबीए स्टूडेंट्स को ऐसे साफ्टवेयर की ट्रेनिंग दी जाती है तो उनके कोर्स में नहीं है। ताकी वे अपने कोर्स के अलावा अतिरक्त साफ्टवेयर में भी स्कील्ड हो सकें। इसे सीखने के बाद उनका एक घंटे का ऑनलाईन टेस्ट लिया जाता है। जिसमें 60 प्रतिशत पासिंग मार्कस होता है। पास होने पर सर्टिफिकेट आईआईटी मुंबई के द्वारा प्रदान किया जाता है।

तीन साल में 17 हजार बच्चे ले चुके लर्निंग

सीएसवीटीयू प्रबंधन ने स्पोकन ट्यूटोरियल के लिए बीआईटी दुर्ग को अपना नोडल सेंटर बनाया है। बीआईटी से प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन साल में सीएसवीटीयू के विभिन्न कॉलेजों में 498 ट्रेनिंग क्लास लगाई जा चुकी है। जिसमें 17444 स्टूडेंट्स एनरोल्ड भी किये जा चुके हैं। जिन्हें ऑडियो विजुअल ट्रेनिंग दी गई और ऑनलाइन टेस्ट ले कर आईआईटी मुंबई से सर्टिफिकेट भी दिलवाया गया है। यह सर्टिफिकेट उनके करियर में काफी सहायक सिद्ध हो रहा है।

मॉनिटरिंग करने भेजा है पत्र

स्पोकन ट्यूटोरियल एक बहुत अच्छी सुविधा है। हम चाहते हैं कि इसे सभी कॉलेजों में विद्यार्थियों को पढ़ाया जाए। इसलिए समय समय पर पत्र भेज कर मॉनीटरिंग की जाती है। ताकि जिन कॉलेजों में इसका इफेक्टिव इंपलीमेंटेशन नहीं हो रहा है वहां पर भी होने लगे।

जीआर साहू, कुलसचिव, सीएसवीटीयू

शिक्षक होंगे मोटिवेट तभी दिखेगा असर

स्पोकन ट्यूटोरियल एक्सट्रा कोर्स है। जो आईआईटी मुंबई द्वारा तैयार किया गया है। मानव संसाधन मंत्रायल इसके लिए काफी खर्च भी कर रहा है ताकि विद्यार्थी अपने कोर्स के अलावा अन्य साफ्टवेयर में भी स्कील्ड हो सकें। लेकिन कॉलेजों से वैसा रिस्पांस नहीं मिल पा रहा है जैसे मिलना चाहिए। इसलिए कॉलेज प्रबंधन पहले अपने शिक्षकों को मोटिवेट करें। शिक्षक मोटिवेट होंगे तभी वे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को इससे जोड़ेंगे।

प्रो डीपी मिश्रा, नोडल अधिकारी, स्पोकन ट्यूटोरियल, सीएसवीटीयू